जागरण : गुना : अशोकनगर : शिवपुरी : राजगढ़ : ब्यावरा : उज्जैन

www.dainikjagranmpcg.com

चाचौड़ा • राघौगढ़ • मुंगावली • चंदेरी • पोहरी • कोलारस • जीरापुर • सारंगपुर • बड़नगर • नागदा

भोपाल, 11 फरवरी 2026

न्यूज कार्नर

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ

नरसिंहगढ़। शासकीय महाविद्यालय में मंगलवार को दिन के बारह बजे राष्ट्रीय सेमनीर भारतीय ज्ञानपरंपरा विज्ञान, संस्कृति एवं दर्शन का समन्वय पर आयोजित कार्यक्रम के मोहन शर्मा विधायक के मुख्य अतिथि डॉ. एसके जैन कुलगुरू बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय विशेष अतिथि सुशील कुमार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं जनभागीदारी अध्यक्ष अन्य राज्यों से भाई अतिथियों के अतिथि में मां सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ प्रारंभ हुआ। जहां कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक मोहन शर्मा ने अपने संबोधन में भारतीय ज्ञान परंपरा विज्ञान संस्कृति एवं दर्शन के समन्वय पर अपने विचार व्यक्त किए जहां कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जन महाविद्यालय के प्राचार्य सहित प्रोफेसर एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

जनसुनवाई में सुनी गई आमजन की समस्याएं

राजगढ़। जिला मुख्यालय पर प्रति मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का निराकरण किया जाता है। आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रताप सिंह चौहान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी श्रीमती निधि भारद्वाज, संयुक्त कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह दांगी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री ज्योति राजोरे सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। आयोजित जनसुनवाई में ग्राम भियापुरा निवासी शंकरलाल ने बताया कि आवेदक की पत्नि को वृद्धवस्था पेंशन योजना का लाभ मिलता था। परन्तु किसी कारण वश वृद्धवस्था पेंशन योजना का लाभ मिलना बंद हो गया है। जिससे आवेदक को परेशानिया हो रही है। अपर कलेक्टर द्वारा सीईओ राजगढ़ को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम नवलपुरा निवासी उदय सिंह ने बताया कि आवेदक को सोयाबीन फसल की राशि नहीं मिली हैं। आवेदक ने बताया कि आवेदक की भूमि को किसी अन्य नाम से चढ़ा दिया गया है तथा फसल राशि भी दूसरे के नाम पर चढ़ा दी गई हैं। जिससे आवेदक को काफी पेशानिया हो रही है। अपर कलेक्टर द्वारा नायब तहसीलदार खुजनेर को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम नाहली निवासी रामसिंह ने बताया कि आवेदक को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान स्वीकृत हो गया था। मकान का काम भी चालू हो गया था, दो किस्त आ भी गई थी, परन्तु किसी कारण वश अन्य किश्ते नहीं मिल पा रही है जिससे आवेदक को काफी परेशानी हो रही है। अपर कलेक्टर ने एसडीएम नरसिंहगढ़ को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

दैनिक जागरण

समाचार व फोटो निम्न मेल पर भेजे।

jagranbiaora@gmail.com

94250-22183

E- पेपर के लिए इस साइट पर जाए www.dainikjagranmpcg.com

-: जिला कार्यालय :-

रोकस काम्प्लेक्स, पुराना अस्पताल परिसर, ब्यावरा (राजगढ़)

परीक्षा: हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होंगे 68 हजार 866 छात्र-छात्राएं

बोर्ड परीक्षाओं का शुभारंभ, जिले के 63 केंद्रों पर 12वीं के 14847 विद्यार्थियों ने दी अंग्रेजी की परीक्षा

जागरण, ब्यावरा

जिले में बोर्ड परीक्षाओं का भव्य शुभारंभ हो गया है। मंगलवार से कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं प्रारंभ हुई। इसमें जिले के 63 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित पहले दिन की परीक्षा में कक्षा 12वी के 14 हजार 847 परीक्षार्थियों ने भाग लिया, जबकि 197 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। पहले दिन अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र आयोजित किया गया। सुबह से ही परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों की भीड़ देखने को मिली। परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावक अपने बच्चों का हौसला बढ़ाते नजर आए। निर्धारित समय पर परीक्षा प्रारंभ हुई और पूरे समय शांतिपूर्ण व अनुशासित वातावरण बना रहा। परीक्षा समाप्त होने के बाद जैसे ही विद्यार्थी केंद्रों से बाहर निकले, उनके चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी। अधिकांश विद्यार्थियों ने बताया कि अंग्रेजी का पेपर अपेक्षाकृत आसान और पाठ्यक्रम से जुड़ा हुआ था। प्रश्न सीधे थे और समय भी पर्याप्त मिला, जिससे वे सभी प्रश्न हल कर पाए।

उदनदस्ते करते रहे निगरानी

नकल और अनुचित साधनों पर अंकुश लगाने के लिए उड़ानदस्ते (लाइंग स्क्वायड) दिनभर सक्रिय रहे। अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कहीं से भी किसी प्रकार की अव्यवस्था या शिकायत की सूचना नहीं मिली। परीक्षा के शांतिपूर्ण संपन्न होने पर शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन ने राहत की सांस ली। अधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में होने वाली परीक्षाओं के लिए भी सुरक्षा, निगरानी और व्यवस्थाओं को लेकर पूरी सतर्कता बरती जाएगी। बोर्ड परीक्षाओं को नकल मुक्त और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी में तैनात सभी शिक्षकों के अपने मोबाइल फोन लॉकर में रखवाए गए।

10वी, 12वी के 68866 विद्यार्थी देंगे परीक्षा

जिला शिक्षा विभाग के मुताबिक कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च तक आयोजित होगी, जबकि कक्षा 10वीं की परीक्षा 13 फरवरी से 6 मार्च तक चलेगी। इस वर्ष 10वीं परीक्षा में 20 हजार 19 परीक्षार्थी और 12वीं परीक्षा में 14 हजार 847 परीक्षार्थी शामिल होंगे। प्रशासन द्वारा परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए लाइंग स्क्वॉड सहित अन्य निगरानी व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती कैंप आज जीरापुर में

जीरापुर। भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली एवं भारत सरकार पसारा एक्ट 2005 के अंतर्गत रोजगार कार्यालय के सहयोग से सिक्योरिटी स्किल काउंसलिंग इंडिया लिमिटेड जयपुर द्वारा ग्रामीण व शहरी शिक्षित युवाओं को सुरक्षा जवान के पद पर भर्ती कैंप मंगलवार को जनपद पंचायत राजगढ़ में किया गया। जिसमें 15 युवाओं ने भाग लिया शारीरिक मापदंड के अनुसार भर्ती अधिकारी सुरेंद्र कुमार द्वारा 5 युवाओं का चयन किया। जोनल कमांडेंट रमेश कुमार जसवाल ने बताया कि अगला कैंप 11 फरवरी को जनपद पंचायत जीरापुर में प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

रेप के दोषी को पॉक्सो कोर्ट ने दी उम्रकैद

ब्यावरा। जिले की विशेष पॉक्सो अदालत ने लैंगिक अपराध के मामले में आरोपी जितेंद्र को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 11 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इस केस में पीड़िता और मुख्य गवाह अपने बयानों से मुकरने के बाद भी अदालत ने वैज्ञानिक साक्ष्यों एवं रिपोर्ट के आधार पर आरोपी को बरी नहीं किया। घटना 14 फरवरी 2025 की रात की है। पीड़िता दूध लेने के लिए घर से निकली थी। इसी दौरान आरोपी जितेंद्र बाइक से उसका पीछा करते हुए आया और उसे गौशाला चलने को कहा। जब उसने मना किया, तो आरोपी ने उसे जबरदस्ती बाइक पर बिठाया और गौशाला के पीछे सुनसान जगह ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

वारदात के बाद आरोपी ने उसे धमकी दी कि अगर किसी को बताया तो जान से मार देगा। इसके बाद वह पीड़िता को घर के पास छोड़कर भाग गया। डरी-सहमी बच्ची रातभर चुप रही। अगले दिन उसने हिम्मत कर माता-पिता को आपबीती बताई। इसके बाद परिजनों ने कालीपीठ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। घटना स्थल का नक्शा बनाया गया और पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराकर कपड़े जब्त किए गए। सबसे अहम पड़ाव आरोपी का डीएनए टेस्ट रहा। कोर्ट में सुनवाई के दौरान भले ही गवाह पलट गए, लेकिन वैज्ञानिक परीक्षण और डीएनए रिपोर्ट ने आरोपी का गुनाह साबित कर दिया।

नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन कुशवाह ने जल स्रोतों का किया औचक निरीक्षण

ग्रीष्मकाल में जल संकट से निपटने की तैयारी शुरू

जागरण, ब्यावरा

ग्रीष्मकाल के दौरान नगरवासियों को निर्बाध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगरपालिका परिषद ब्यावरा के अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन कुशवाह द्वारा नगर के प्रमुख जल स्रोतों का प्रशासनिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य आगामी गर्मी के मौसम में संभावित जल संकट से पूर्व तैयारियों की समीक्षा करना रहा।

निरीक्षण के दौरान कुशलपुरा स्थित फिल्टर प्लांट एवं इंटकवेल का गहन अवलोकन किया गया, जहां से नगर में नियमित जलापूर्ति की जाती है। श्री कुशवाह ने जल शुद्धिकरण की तकनीकी प्रक्रिया, मोटर पंपों की स्थिति, विद्युत आपूर्ति, जल भंडारण क्षमता एवं वितरण प्रणाली की विस्तार से जानकारी ली। इसके अतिरिक्त घोड़ापछाड़ नदी से जल लाने वाले जलालपुरा स्थित फिल्टर प्लांट का भी निरीक्षण किया गया, जहां जल संग्रहण क्षमता, शुद्धिकरण प्रक्रिया एवं पाइपलाइन नेटवर्क की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री कुशवाह ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रीष्मकाल के दौरान किसी भी परिस्थिति में नगर की पेयजल व्यवस्था बाधित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने समयबद्ध रख-रखावए आवश्यक मर मत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने, अतिरिक्त संसाधनों की उपलब्धता तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरवासियों को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना नगरपालिका परिषद की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने तथा जल आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों का त्वरित समाधान करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान इंजीनियर राहुल गुप्ता, जल विभाग के शाखा प्रभारी ी रमेश यादव एवं पार्षद गोपाल जाटव सहित संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोत्याबाई का पात्रता अनुसार हितेषी कूप स्वीकृत

राजगढ़। ग्राम बेदर ग्राम पंचायत रिछडिया जनपद पंचायत खिलचीपुर निवासी श्रीमती मोत्याबाई पति हरलाल का जनसुनवाई के दौरान हितेषी कूप के संबंध आवेदन प्राप्त हुआ। मनरेगा योजना अंतर्गत श्रीमती मोत्याबाई पति हरलाल का पात्रता अनुसार हितेषी कूप स्वीकृत करते हुए मौका स्थल पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले के निर्देश अनुसार अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्पित गुप्त, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत खिलचीपुर, सहायक लेखाधिकारी मनरेगा जनपद पंचायत खिलचीपुर, सरपंच एवं ग्राम रोजगार सहायक की उपस्थिति में कूप खुदाई का कार्य मौके पर शुरू कराया गया है।

पैट शो सीजन 2 का आयोजन आज

राजगढ़। पशुपालन एवं डेयरी विभाग राजगढ़ द्वारा जिले में पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह 14 जनवरी से 13 फरवरी तक मनाया जा रहा है। जिसमें पिछले वर्ष अनुसार पुनः पैट शो सीजन 2 का आयोजन 11 फरवरी को प्रातः 10 बजे से जिला पशु चिकित्सालय परिसर राजगढ़ में किया जाएगा। जिसमें डॉग एवं कैट की समस्त प्रकार की प्रजातियों की अलग-अलग कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा आयोजित की जाएगी एवं प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरूस्कार वितरण किया जाएगा। आयोजन में पशु चिकित्सा शिविर, विभिन्न विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार, पशुक्रूरता निवारण एवं नियमों का प्रचार-प्रसार आदि गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से होता है साइबर फ्रॉड

सावधानी : इंटरनेट सुरक्षा दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

जागरण, राजगढ़

कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में इंटरनेट सुरक्षा दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एनआईसीए ई-गवर्नेंस द्वारा विभिन्न साइबर फ्रॉड मामलों पर चर्चा की गई तथा उनकी रोकथाम हेतु आवश्यक उपाय बताए गए। बैठक में डिजिटल अरेस्ट, यूपीआई एवं नेट बैंकिंग पासवर्ड की सुरक्षा को लेकर सावधानियों की जानकारी दी गई। साइबर ठगी की स्थिति में 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर एवं नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर भी चर्चा की गई। एआई के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, शॉपिंग और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही इसके दुरुपयोग, प्राइवेसी से जुड़े जोखिम और त्रुटियों को संभावित खतरे बताया गया। यह भी बताया गया कि एआई लर्निंग पर आधारित होता है, इसलिए सही परिणाम हेतु सही इनपुट आवश्यक है। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि सोशल मीडिया पर जितनी अधिक व्यक्तिगत जानकारी साझा की जाती हैं, व्यक्ति उतना ही अधिक साइबर फ्राड के प्रति संवेदनशील हो जाता है उन्होंने आमजन से अपील की है कि किसी भी वेबसाइट या ऐप की प्रमाणिकता जांचे बिना कोई जानकारी साझा न करें। इस अवसर पर बुजुर्गों एवं बच्चों को साइबर फ्रॉड से बचाव हेतु विशेष रूप से जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान साइबर जागृत भारत नागरिक शपथ भी दिलाई गई, जिसमें उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने, निजी जानकारी की सुरक्षा करने तथा साइबर अपराध के प्रति सतर्क रहने का संकल्प लिया। साथ ही फर्जी एस्ट्रोलॉजी ऐप्स से सावधान रहें। ऐसे ऐप्स या वेबसाइट्स पर अपनी व्यक्तिगत अथवा वित्तीय जानकारी साझा न करें, इससे साइबर ठगी की आशंका रहती है। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को साइबर सुरक्षा एवं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करना रहा।

गीता देवी का निधन

ब्यावरा। नगर के धानमंडी के स्वर्गीय बसंतीलाल कपास्या की धर्मपत्नी, जुगलकिशोर, राधारमण, अशोक कुमार की पूज्य माताजी श्रीमती गीता देवी का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा बुधवार 11 फरवरी को सुबह 11 बजे स्वनिवास धानमंडी से प्रकाश दाल मिल मुल्तानपुरा ब्यावरा जाएगी।

भैया-बहनों का दीक्षांत समारोह संपन्न

जागरण, सुठालिया

मंगलवार को स्थानीय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में कक्षा नवीं के भैया-बहनों के द्वारा दसवीं के भैया बहनों को भोजन करवाया गया एवं पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता राजगढ़ प्राचार्य महेंद्र सोलंकी, मुख्य अतिथि शासकीय पीएम श्री विद्यालय के प्राचार्य हेमंत यादव, विशेष अतिथि निखिल कचनारिया, अतुल विश्वकर्मा, इंदर सिंह सोधिया, कुलदीप सिंह राठौड़, प्राचार्य शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन पीयूष मेर ने किया, आभार राधिका लोट ने माना। मुख्य वक्ता महेंद्र सोलंकी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि छात्र-छात्रा आगामी भविष्य में दसवीं पास करके नवीन क्षेत्र की ओर अग्रसर होंगे। संपूर्ण कार्यक्रम नबी के भैया-बहनों द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में दसवीं-नवी के छात्र-छात्राएं एवं आचार्य दीदी सम्मिलित हुए।

जल संकट : 06 जल स्रोतों का पानी पीने योग्य नहीं

जागरण, कुरावर

विगत महीने इंदौर में दूषित पानी पीने से बीमार हुए लोगों की मौत की घटना के बाद से प्रदेश भर में पेयजल स्त्रोत की जांच की गई। इसी के चलते कुरावर नगर में स्थित विभिन्न जलस्त्रोत की कार्यालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी नरसिंहगढ़ के निर्देश पर नगर परिषद कुरावर द्वारा निकाय क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में स्थित शासकीय कुओं और निजी कुड़ियों के जल के नमूने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जांचे गए। जांच रिपोर्ट में नगर के 06 जलस्रोत का पानी पीने योग्य नहीं पाया गया है। नगर में करीब 30 हजार की आबादी है तथा नगर में 15 वार्डों के निवासी पेयजल के लिए निजी जलस्त्रोत का उपयोग वर्षों से करते चले आ रहे हैं।

विगत दिनों हुई जांच में नगर परिषद के अंतर्गत आने वाले कई जल स्त्रोतों का पानी दूषित पाया गया है, जो कि पीने योग्य नहीं है। इनमें वार्ड क्रमांक 01 राम मंदिर के पास शासकीय कुएं का पानी, वार्ड क्रमांक 11 आरामशीन के पास शासकीय कुएं का पानी, वार्ड क्रमांक 12 हाट बाजार के पास शासकीय कुएं का पानी, वार्ड क्रमांक 13 शासकीय पार्क स्थित ट्यूबवेल का पानी, वार्ड क्रमांक 10 संतोष वाल्मीकि की कुंडी का पानी, वार्ड क्रमांक 07 सुनील सक्सेना की कुंडी का पानी आदि दूषित पाया गया है। नगर परिषद सीएमओ लीलाधर सेन ने बताया कि आदेश अनुसार हमने सभी स्थानों पर बोर्ड लगा दिया गया है और स्वच्छ बनाने के लिए सभी तरह के उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल स्त्रोतों को स्वच्छ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। नगरवासियों से अपील की है कि वे इन जल स्त्रोतों का पानी पीने से बचें और स्वच्छ पेयजल के लिए अन्य विकल्पों का उपयोग करें।

तीन केंद्रों पर 689 परीक्षार्थी हुए शामिल

तलेन। मंगलवार को कक्षा 12वीं का पहला प्रश्नपत्र अंग्रेजी विषय का आयोजित किया गया। वही नगर तलेन में कक्षा 12वीं की परीक्षा के लिए तीन परीक्षा केंद्र, पीएम श्री शासकीय स्कूल, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर और कन्या हाई स्कूल बनाए गए। जिसमें तीनों परीक्षा केंद्रों पर कक्षा 12वीं के कुल 692 परीक्षार्थियों में से 689 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। तीन परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक रखा गया है। परीक्षा केंद्र के 100 मीटर के दायरे में परीक्षा से जुड़े लोगों के अलावा अन्य का प्रवेश प्रतिबंधित रखा गया है। परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए इस बार सख्त व्यवस्था की गई है।

कार्यक्रम में शामिल हुए 98 पंचायतों के 2548 पदाधिकारी, पटवारी बोले-यह नया भारत है, अमरीका प्रधानमंत्री मोदी को डरा रहा है

राहुल गांधी को पीएम बनाना है तो वोटर लिस्ट की रक्षा करें : पटवारी

जागरण, सारंगपुर

मां बिजासन के पवित्र प्रांगण में हम सब उपस्थित हैं और प्रदेश की पहली पंचायत कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी के विधानसभा की मीटिंग है प्रदेश में यह पहला स मेलन है। सारंगपुर के कांग्रेस परिवार जनो ने परिवर्तन की नींव रखी है। आगामी तीन वर्ष 2027, 28 और 29 हमारे सामने है। इसमें 2027 में स्थानीय निकाय चुनाव में जीत कर हमें 2028 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाना है और फिर 2029 में राहुल गांधीजी का प्रधानमंत्री बनाते हुए केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनाना है। पंचायत स्तर पर कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी वोटर लिस्ट की रक्षा करेंगे। राहुल गाँधी को प्रधानमंत्री बनाना है तो वोटर लिस्ट की रक्षा करो। वोटर लिस्ट चेक करो। पंचायत स्तर पर से विधानसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवार के लिए दो लोगों की पैनल बनाई जाएगी। सभी टिकट कार्यकर्ताओ मिलकर बाटेंगे। आगामी चुनावों में कांग्रेस कार्यकर्ता ही चुनाव जितायेंगे। यह आव्हान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सारंगपुर विस के ग्राम भैंसवामाता के सत्संग प्रांगण में आयोजित सारंगपुर पंचायत स्तरीय पदाधिकारियों के सम्मेलन में 98 पंचायतों के 2548 पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए व्यक्त की। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के जोश और उत्साह को देखकर कहा कि यह स्पष्ट नजर आ रहा है कि संगठन का एक-एक कार्यकर्ता कांग्रेस को मजबूती प्रदान करन के लिए कृत्य संकल्पित है। सबसे पहले मंच पर पहुंचे प्रदेशाध्यक्ष व अन्य ने बाबा अम्बेडकर एवं महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके पश्चात जिलाध्यक्ष प्रियव्रत सिंह खींची, ब्लाक अध्यक्ष बनवारी मालवीय, रामचंद्र नागर तथा रितेश पाटीदार, शहर अध्यक्ष आबिद लोदी एवं अमित बंसल व अन्य पदाधिकारियों ने जीतू पटवारी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन महासचिव राधेश्याम सोमतिया ने किया।

पटवारी ने सरकार को घेरा

श्री पटवारी ने कहा कि मोदीजी का यह नया भारत है, अमरीका प्रधानमंत्री मोदी को डरा रहा है। अमरीका द्वारा कोई भी घोषणा भारत के लिए की जाती है, मोदी चुप हो जाते हैं। नरेंद्र मोदी सरेंडर हो गए। उन्होंने भारत अमेरीका ट्रेड डील को लेकर कहा कि देश के किसानों के साथ छलावा किया जा रहा है। भारत में अमेरीका से जो भी कृषि सोयबीन सहित फल सब्जी सहित सभी उत्पादन की चीज आयेगी तो टेरिफचार्ज शून्य रहेगा ओर भारत की कृषि उत्पादन की चीज अमेरिका में जाएगी तो 18 प्रतिशत टेरिफ देना पडेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा कहती है कट्टर हिंदू बनो और कांग्रेस कहती है अच्छे हिंदू बनो। यही भाजपा और कांग्रेस की विचारधारा का बुनियादी अंतर है। कांग्रेस सभी जाति, धर्म, वर्ग और समुदायों को तो साथ लेकर चलती ही है। राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान की विचारधारा है। दूसरी राजनीतिक पार्टियों को ये विचारधारा सीखनी चाहिए।

विधायक ने खाटू श्याम मंदिर निर्माण स्थल का किया भूमिपूजन

जागरण, जीरापुर

नगर में बाबा खाटू श्याम मंदिर निर्माण के लिए रविवार को क्षेत्रीय विधायक हजारीलाल दांगी ने सपत्नीक विधिवत भूमिपूजन किया। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन कुशवाह सहित बड़ी संख्या में श्याम भक्त उपस्थित रहे। नगर के खाटू श्याम मित्र मण्डल द्वारा हाल ही में स्थानीय पुलिस थाना परिसर स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पर एक बैठक का आयोजन विधायक हजारीलाल दांगी, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कर श्री श्याम भक्तों द्वारा नगर में बाबा खाटू श्याम का मंदिर निर्माण करने हेतु स्थल को लेकर विस्तृत चर्चा की जाकर पूर्व बैठक का हवाला देते हुए श्याम भक्तों ने विधायक के समक्ष पूर्व आश्वासन के अनुरूप जीरापुर-छापीहेड़ा रोड के समीप मंदिर निर्माण की बात रखी गई।

ऐसे में पूर्व आश्वासन के अनुरूप विगत दिवस क्षेत्रीय विधायक हजारीलाल दांगी ने सपत्नीक बाबा श्याम मंदिर निर्माण का उक्त स्थान पर विधिवत भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन कुशवाह, रामेश्वर टॉक, डॉ. रामचरण किरार, बापूलाल दांगी, रमेशचंद्र शर्मा, सुनील हिंडोनिया, महेश रजक, पंकज सोनी, मुरली सेन, विशाल चौधरी, गोपाल सोनी, पवन गौड़, कमल रजक, मुकेश दांगी, मोनू जमींदार, अनिल राठौर, हरपाल कुशवाह सहित बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी भक्त उपस्थित रहे।

न्यूज कार्नर

राधा-कृष्ण के स्वरूपों संग खेली फूलों की होली

जागरण उज्जैन। श्री वल्लभ वैष्णव सेवा मंडल द्वारा एक निजी गार्डन में भव्य फाग उत्सव का आयोजन किया गया। मंडल के संस्थापक विट्ठल नागर एवं अध्यक्ष आनंद पुरोहित के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम संयोजक दीपक राजवानी एवं योगेश नीमा ने बताया कि उत्सव के दौरान मीना पुरोहित एवं सारिका नीमा ने राधा-कृष्ण का स्वरूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। सैकड़ो महिला-पुरुषों ने राधा-कृष्ण के इन स्वरूपों के संग होली के गीतों पर नृत्य किया और जमकर फूलों की होली (पुष्प वर्षा) खेली। फाग उत्सव के अंत में गुलाल और रंगों से जुड़े विशेष गेम्स का आयोजन किया गया। इसमें गुलाल के रंग ढूंढो और पत्नी के गालों पर अलग-अलग टीका लगाओ प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

जिन प्रतिभागियों ने अपनी पत्नी के गालों और हाथों पर सबसे ज्यादा टीके लगाए, उन्हें पदाधिकारियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर रविंद्र मूले, सुदेश नीमा, पवन त्रिपाठी, विजय जोशी, प्रकाश गुप्ता, राजेंद्र शाह, सुभाष सोनी, अरुण मोणे, संगीता नागर, पारूल शाह, हर्षा शाह सहित बड़ी संख्या में वैष्णव जन उपस्थित थे।

आयुर्वेदिक एम्स उज्जैन को ही मिले

उज्जैन। प्रदेश सरकार ने राज्य में आयुर्वेदिक एम्स के लिए भोपाल के नाम का प्रस्ताव भेजा है। भोपाल प्रदेश की सर्व सुविधायुक्त राजधानी है, जहाँ पहले से ही एलोपैथी चिकित्सा का एम्स स्थापित है। इसके अलावा अन्य कई राष्ट्रीय स्तर के शिक्षा संस्थान जैसे-मेनिट, भारतीय विज्ञान एवं शिक्षा संस्थान, एन.एल.आई.यू, राष्ट्रीय विधि संस्थान, निफ्ट, राष्ट्रीय पत्रकारिता संस्थान आदि भोपाल में स्थापित हैं, जबकि भगवान श्रीकृष्ण की नगरी उज्जैन में एक भी राष्ट्रीय स्तर का शिक्षा संस्थान नहीं है। इस आशय का पत्र सजग उज्जैन के महासचिव संतोष सुपेकर ने मुख्यमंत्री को लिखते हुए उनसे आयुर्वेदिक एम्स उज्जैन में ही स्थापित करवाने का निवेदन किया है। जानकारी सजग उज्जैन के अध्यक्ष डॉ. संजय नागर ने दी।

11वें निःशुल्क शिविर में 403 लोगों को मिली रोशनी

उज्जैन। सामाजिक संस्था 'नई पहल नई सोच' द्वारा आयोजित 11वें निशुल्क चश्मा वितरण कैंप का समापन हुआ। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले इस शिविर में कुल 403 चश्मे वितरित किए गए।

कैंप का उद्घाटन पूर्व विधायक पारस जैन और पूर्व कांग्रेस शहर अध्यक्ष अनंत नारायण मीणा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पारस जैन ने कहा कि कई वर्षों से मैं संस्था के आयोजनों में आ रहा हूं। यह देखकर अच्छा लगता है कि सामाजिक संस्था लोगों का इस तरीके से ख्याल रखती है। मैं हर समय आप लोगों के साथ खड़ा हूं। विशेष अतिथि अनंत नारायण मीणा ने कहा कि आपका कैंप बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहा है। समाज के कमजोर वर्गों के लिए जो यह निशुल्क आंखों की जांच और चश्मा वितरण किया जा रहा है।

महाशिवरात्रि पर महाकाल नगरी में हाई अलर्ट 10 लाख श्रद्धालुओं के लिए अभेद्य सुरक्षा घेरा

40 मिनट में दर्शन का लक्ष्य, 1500 पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात, ड्रोन और एआई से होगी निगरानी

जागरण उज्जैन। महाशिवरात्रि पर्व पर श्री महाकालेश्वर के दर्शन के लिए उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की कमान संभाल ली है। 15 और 16 फरवरी को देशभर से करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने का अनुमान है। इसी के मद्देनज़र नवागत एडीजी राकेश गुप्ता ने डीआईजी नवनीत भसीन और एसपी प्रदीप शर्मा के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक नियंत्रण, वीआईपी मूवमेंट और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई। प्रशासन ने लक्ष्य तय किया है कि श्रद्धालुओं को अधिकतम 40 मिनट में बाबा महाकाल के दर्शन कराए जाएं।

1500 पुलिसकर्मी, 5 ड्रोन और 200 सीसीटीवी से रहेगी नजर

महाशिवरात्रि के दौरान महाकाल मंदिर परिसर और शहर के प्रमुख मार्गों पर करीब 1500 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। इनमें से 250 पुलिसकर्मी वीआईपी व्यवस्था के लिए अलग से लगाए जाएंगे। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 150 महिला सुरक्षाकर्मी तैनात होंगी। भीड़ पर नजर रखने के लिए 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरे, 5 ड्रोन कैमरे और एआई आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग किया जाएगा, जिससे किसी भी स्थिति पर तुरंत नियंत्रण किया जा सके।

शीघ्र दर्शन और पासधारी

श्रद्धालु चारधाम मंदिर पार्किंग, अशोक सेतु, मानसरोवर भवन, फैसेलिटी सेंटर-1 टनल, नवीन टनल-1 होते हुए गणेश मंडपम् से दर्शन करेंगे।

पासधारी श्रद्धालु हरसिद्धि पाल पार्किंग जिगजेग से होकर बड़ा गणेश के पास वाली गली, प्रीपेड बूथ तिराहा, शहनाई जिगजेग द्वार नंबर-1 से प्रवेश करेंगे।

श्रद्धालुओं की अलग व्यवस्था

शीघ्र दर्शन टिकटधारी श्रद्धालुओं के लिए भील समाज धर्मशाला के पास अलग बैरिकेडिंग की गई है। यहां से

हर 300 मीटर पर हेल्थ पॉइंट पानी और सहायता केंद्र

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर 300 मीटर पर मेडिकल हेल्थ पॉइंट, पेयजल और सहायता केंद्र बनाए जाएंगे।

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष सहायता दल मौजूद रहेंगे।

शहर में अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग स्थल तय किए गए हैं और प्रमुख मार्गों पर व्यापक बैरिकेडिंग की जाएगी, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

सामान्य श्रद्धालुओं के लिए यह रहेगा प्रवेश और निकास मार्ग

सामान्य श्रद्धालुओं की एंट्री भील समाज धर्मशाला के समीप से होगी। यहां से श्रद्धालु चारधाम मंदिर पार्किंग, शक्तिपथ,त्रिवेणी संग्रहालय, नंदी द्वार, महाकाल महालोक , मानसरोवर भवन, फैसेलिटी सेंटर-1 टनल, नवीन टनल-1 से होकर गणेश मंडपम् से बाबा महाकाल के दर्शन करेंगे।

दर्शन के बाद श्रद्धालु आपातकालीन निर्गम द्वार से बाहर आकर गणेश मंदिर और हरसिद्धि मंदिर चौराहा होते हुए रवाना होंगे।

भस्म आरती दर्शन व्यवस्था

महाशिवरात्रि पर भस्मार्ती के लिए पंजीकृत श्रद्धालुओं का प्रवेश मानसरोवर भवन और द्वार क्रमांक-1 से निर्धारित किया गया है।

यहां रहेगी पार्किंग व्यवस्था...

सामान्य श्रद्धालु- कर्कराज पार्किंग, मेघदूत पार्किंग, शीघ्र दर्शन टिकटधारी- कार्तिक मेला ग्राउंड,राणौजी की छत्री, शगुन गार्डन और महाकाल मंडपम्।

यहां मिलेगी चिकित्सा सुविधा

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, त्रिवेणी इंटरप्रिटेशन सेंटर, कर्कराज व चारधाम मंदिर पार्किंग, हरसिद्धि मंदिर चौराहा, बड़ा गणेश मंदिर, मानसरोवर भवन, महाकाल प्लाजा, फैसेलिटी सेंटर, भस्मार्ती द्वार गेट नंबर-4, नीलकंठ द्वार और निर्गम द्वार।

इसके अलावा एम्बुलेंस व्यवस्था, जिला अस्पताल में आपातकालीन बेड और चिकित्सकों की टीम 24 घंटे उपलब्ध रहेगी।

नशे में हैवान बना पिता, बेटे का गला घोंटकर ले ली जान

जागरण उज्जैन। शहर के पंवासा थाना क्षेत्र में शराब की लत ने एक परिवार को तबाह कर दिया। नशे में धुत एक पिता ने घरेलू विवाद के दौरान अपने ही 22 वर्षीय बेटे का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी पिता मौके से फरार हो गया। मंगलवार सुबह जब घटना की जानकारी लगी तो क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

पंवासा थाना पुलिस के अनुसार घटना रघुनंदन मैरिज गार्डन के पीछे की है। यहां रहने वाला रायसिंह पेशे से मिस्त्री है और शराब पीने का आदी बताया जा रहा है। आए दिन नशे की हालत में वह घर में विवाद और मारपीट करता था। इसी बात को लेकर उसका पत्नी सावित्री से अक्सर झगड़ा होता रहता था।

सोमवार देर रात भी घर में विवाद हुआ। झगड़ा बढ़ता देख छोटा बेटा विशाल बीच-बचाव करने लगा। इसी दौरान गुस्से और नशे में रायसिंह ने विशाल का गला दबा दिया। परिवार को लगा कि वह सो गया है, लेकिन रात में ही उसकी मौत हो चुकी थी। मंगलवार सुबह जब बड़े बेटे सागर की नींद खुली तो उसने विशाल को मृत अवस्था में पाया। घर में पिता रायसिंह भी मौजूद नहीं था। इसके बाद सागर ने पास ही रहने वाले मामा संतोष को सूचना दी और पुलिस को बुलाया गया।

सूचना मिलने पर पंवासा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाया गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मृतक के मामा संतोष ने बताया कि रायसिंह शराब के नशे में अक्सर घर में झगड़ा करता था। उनकी बहन सावित्री ने कई बार पंवासा थाने में इसकी शिकायत भी की थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यदि समय रहते पुलिस ने सख्ती दिखाई होती तो शायद आज विशाल जिंदा होता।

फिलहाल पुलिस आरोपी रायसिंह की तलाश में जुटी है और मामले की जांच की जा रही है।

यह घटना एक बार फिर नशे की लत और घरेलू हिंसा के गंभीर परिणामों को उजागर करती है।

जनता की परेशानी से सीएमओ को नहीं सरोकार 2 बार शिकायत करने पर भी नहीं दे रहे ध्यान

बिना नपती के बन रहा डिवाइडर रहवासी और राहगीरों को होगी परेशानी

जागरण नागदा। पुराना बस स्टैंड क्षेत्र के रहवासी पिछले 10 सालों से जवाहर मार्ग में सड़क की नपती कर डिवाइडर को बीच सेंटर में लगाने की मार्ग यातायात अवरुद्ध होने के करण जवाबदारों को लिखित शिकायत करके कर रहें है लेकिन 2 बार शिकायत के बाद भी नगरपालिका वर्तमान में भी बिना सड़क की नपती के ही डिवाइडर का निर्माण कर रही है मामले में नपा सीएमओ भी इस लापरवाही को चुपचाप आँखे मुंद देख रहें है याने जनता की समस्या से शायद उनका कोई सरोकार ही नहीं है?

दरअसल पुराना बस स्टैंड क्षेत्र पर स्थित बैंक आफ इंडिया से लेकर स्टेट बैंक तक सड़क के बीचो-बीच बना डिवाइड पूरी तरह सही नहीं है शिकायत में रहवासियों ने बताया की इसके पूर्व में बनाए गए डिवाइडर में दोनों और सड़क बराबर है लेकिन स्टेट बैंक से लेकर पेट्रोल पंप तक का हिस्सा पेट्रोल पंप वाली साइड में 70ल तो दूसरी तरफ मात्र 30ल ही है जो की नक्शे में साफ दिख रहा है इसके बाद भी सड़क की नपती

नहीं करवाकर दवाब में डिवाइडर का निर्माण किया जा रहा है इस जिसके करण एक और हमेशा यातायात अवरुद्ध होता है इस मामले में क्षेत्र के रहवासी दो बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन नगर पालिका के जिम्मेदार सीएमओ अपनी जिम्मेदारी से कनी काटते हुए इस मामले को तमाश बिन बनकर देख रहे हैं और लापरवाही और मनमानी का यह काम निरंतर जारी है जिससे भविष्य और वर्तमान दोनों समय क्षेत्र के रहवासियों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा ।

नंबर-1 शहर में कचरा उठाने समय पर नहीं पहुंच रहीं गाड़ियां

जागरण उज्जैन। स्वच्छता में देशभर में नंबर-1 का तमगा हासिल करने वाला उज्जैन इन दिनों कचरा उठाने की अव्यवस्था से जूझ रहा है। करीब 10 लाख की आबादी वाले शहर में कई वार्डों में कचरा गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच रहीं, जिससे सड़कों और गलियों में कचरे के ढेर दिखाई देने लगे हैं। इससे न सिर्फ आमजन को परेशानी हो रही है, बल्कि शहर की स्वच्छ छवि पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

नगर निगम द्वारा जब से सॉलिड वेस्ट कलेक्शन का ठेका निजी कंपनी को दिया गया, तभी से कचरा उठाने की व्यवस्था लड़खड़ाती नजर आ रही है। ठेका मैन्युअल में साफ निर्देश हैं कि हर कचरा गाड़ी में ड्राइवर के साथ दो कर्मचारी रहेंगे, जो छोटी गलियों में आवाज लगाकर घर-घर से कचरा उठाएंगे और सूखा व गीला कचरा अलग-अलग गाड़ियों में डालेंगे। लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है। न तो कर्मचारियों की संख्या पूरी है और न ही कचरे का पृथक्करण हो पा रहा है। स्थिति यह है कि सॉलिड वेस्ट कंपनी का ठेका खत्म हुए कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक नया ठेका नहीं दिया गया है। बीच में यह जिम्मेदारी एक आउटसोर्स कंपनी को सौंपी गई, जो अपेक्षित ढंग से काम नहीं कर सकी। इसके चलते नगर निगम आयुक्त को लगातार शिकायतें मिलती रहीं।शिकायतों के बाद नगर निगम ने बड़ा फैसला लेते हुए 150 आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाकर उनकी जगह स्थायी सफाई कर्मियों को तैनात कर दिया।

यह नई व्यवस्था सोमवार से लागू की गई, लेकिन इसके बावजूद हालात में कोई खास सुधार नजर नहीं आया। मंगलवार को भी कई इलाकों में कचरा समय पर नहीं उठ पाया। सूत्रों के अनुसार नए ठेके से जुड़ी फाइल अभी भी निगम आयुक्त के पास लंबित है और उस पर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है। जब तक नई व्यवस्था स्पष्ट नहीं होती, तब तक शहर की सफाई व्यवस्था पर अनिश्चितता बनी रहेगी। ऐसे में स्वच्छता में अव्वल रहे उज्जैन की पहचान को बनाए रखना नगर निगम के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

एआई का विवेकपूर्ण उपयोग देगा समाज को सकारात्मक दिशा

उज्जैन। शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भौतिकी एवं कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा 'सेफर इंटरनेट डे-2026' के अवसर पर 'स्मार्ट टेक, सेफ चॉइसेस - एक्सप्लोरिंग द सेफ एंड रिस्पॉन्सिबल यूज़ ऑफ ए.आई.' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. प्रशांत पुराणिक ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि एआई आज के युग की आवश्यकता है, किंतु इसका विवेकपूर्ण उपयोग ही समाज को सकारात्मक दिशा दे सकता है। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित, जिम्मेदार एवं नैतिक उपयोग के प्रति जागरूक करना था।

एमपी बोर्ड परीक्षा शुरू, केंद्रों के बाहर पुलिस का पहरा

उज्जैन में 12वीं के पहले पेपर में 16 हजार से ज्यादा विद्यार्थी शामिल

जागरण उज्जैन। माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा मंगलवार से जिले में शुरू हो गई। पहले दिन कक्षा 12वीं का पहला प्रश्नपत्र हुआ, जिसमें 16 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा को नकलमुक्त और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए थे। सभी परीक्षा केंद्रों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा, वहीं केंद्रों के भीतर भी सख्त निगरानी रखी गई।

इस बार बोर्ड परीक्षा में पहली बार नई व्यवस्था लागू की गई है। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों के प्रत्येक परीक्षा कक्ष में मोबाइल जैमर लगाए गए हैं। इससे परीक्षा के दौरान न तो मोबाइल पर बातचीत संभव होगी और न ही इंटरनेट का उपयोग किया जा सकेगा। इस कदम से नकल पर प्रभावी रोक लगाने की उम्मीद की जा रही है।

उज्जैन जिले में इस वर्ष कुल 40 हजार 234 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। इनमें कक्षा 12वीं के 16 हजार 463 विद्यार्थी हैं, जबकि कक्षा 10वीं के 23 हजार 710 छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। दोनों ही कक्षाओं की परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जा रही हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र खत्री ने बताया कि परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली गई हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जिले में 10 निरीक्षण दल गठित किए गए हैं, जो लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। इसके साथ ही जिले के 10 अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर अलग से प्रेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जिले के कुल 77 परीक्षा केंद्रों पर पुलिस विभाग द्वारा पुलिस गार्ड तैनात किए गए हैं, ताकि परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो। पहले दिन परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

चरक अस्पताल की सीवरेज समस्या का समाधान जल्द

57 लाख का वर्क ऑर्डर जारी, दो माह में बदबू से मिलेगी राहत

चरक अस्पताल सीवरेज समस्या, एक नजर में...

- मुख्य गेट के पास फैला रहता था बदबूदार गंदा पानी
- 57 लाख रुपए की लागत से डाली जाएगी नई सीवरेज लाइन
- क्षीरसागर होते हुए रामघाट की मुख्य लाइन से जोड़ा जाएगा कनेक्शन
- नगर निगम पीएचई विभाग की निगरानी में होगा काम
- दो माह में काम पूरा होने की संभावना

जागरण उज्जैन। संभागीय चरक अस्पताल में इलाज कराने पहुंचने आने वाले सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को जल्द ही बदबू और गंदे पानी से राहत मिलने की उम्मीद है। अस्पताल के मुख्य गेट के पास लंबे समय से फैला ड्रेनेज का गंदा पानी अब इतिहास बनने जा रहा है। नगर निगम ने चरक अस्पताल परिसर में नई सीवरेज लाइन डालने के लिए 57 लाख रुपए का वर्क ऑर्डर जारी कर दिया है।

आगर रोड स्थित चरक भवन की सीवरेज व्यवस्था लंबे समय से चरमराई हुई थी। बताया जा रहा है कि अस्पताल भवन का निर्माण करने वाली ठेका कंपनी ने सीवरेज सिस्टम घटिया गुणवत्ता का लगाया था, जिसके चलते कुछ ही समय में लाइन खराब हो गई। इसके बावजूद संबंधित कंपनी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई और पहले ही करोड़ों रुपए का भुगतान किया जा चुका है। इसका खामियाजा मरीजों और उनके परिजनों को भुगतना पड़ा।

नगर निगम द्वारा तैयार योजना के अनुसार चरक अस्पताल से निकलने वाली सीवरेज पाइपलाइन को क्षीरसागर होते हुए रामघाट की ओर जाने वाली मुख्य चैंबर लाइन से जोड़ा जाएगा। इससे गंदे पानी की निकासी सुचारु होगी और अस्पताल परिसर में जलभराव की स्थिति खत्म हो सकेगी। इस कार्य पर शासन की ओर से लगभग 57 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। यह पूरा काम नगर निगम के पीएचई विभाग की निगरानी में निजी ठेकेदार द्वारा कराया जाएगा। ठेकेदार ने काम की तैयारी शुरू कर दी है और परिसर में सीवरेज पाइप भी पहुंचने लगे हैं। जल्द ही खुदाई का कार्य शुरू होने की संभावना है। अधिकारियों का कहना है कि अगर काम तय समय पर चलता रहा तो आगामी दो माह में सीवरेज लाइन का काम पूरा कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि चरक भवन में जिला अस्पताल के शिफ्ट होने के बाद यहां मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। इसी दौरान अस्पताल परिसर में नए मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य भी शुरू हुआ। निर्माण के समय पुरानी सीवरेज लाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे समस्या और गंभीर हो गई थी। अब पुरानी लाइन की मरम्मत के साथ-साथ नई लाइन डाले जाने का रास्ता साफ हो गया है।

पहले चरण में कंठाल से सतीगेट तक होगा सड़क का चौड़ीकरण

जागरण उज्जैन। शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल कंठाल से सतीगेट तक अब सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से आगे बढ़ेगा। नगर निगम ने पहले चरण में सतीगेट के पहले तक करीब 150 मीटर मार्ग चौड़ा करने की योजना बनाई है। इसके लिए नपती और नोटिस वितरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इस मार्ग पर आए दिन लगने वाले भारी जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए निगम ने यह कदम उठाया है। खासकर सतीगेट से खड़े हनुमान और कंठाल क्षेत्र में स्थिति सबसे ज्यादा खराब रहती है। यहां कई दुकानदारों द्वारा 10-10 फीट तक सड़क पर सामान फैलाने से यातायात बाधित हो रहा है।

10 महीने में अधूरा रहा काम, अब निगम ने कसी कमर-नगर निगम द्वारा कोयला फाटक से कंठाल तक चौड़ीकरण का काम शुरू हुए करीब 10 महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक सिर्फ 350 से 400 मीटर सड़क ही बन पाई है। निजातपुरा और नरेन्द्र टॉकीज रोड पर विकास कार्य भी अपेक्षित गति से नहीं हो सका।

अब निगम ने तय किया है कि कंठाल से सतीगेट तक के हिस्से में सीवर लाइन का कार्य भी किया जाना है, इसलिए पहले ही चरण में यहां कार्रवाई शुरू की जाएगी।

सीवर, पाइपलाइन और पोल शिफ्टिंग के बाद बनेगी सड़क-नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि पहले चरण में कंठाल से सतीगेट के पहले तक दोनों ओर के मकान और दुकान मालिकों को नोटिस दिए जाएंगे।सबसे पहले सीवर लाइन, फिर पाइपलाइन बिछाने, उसके बाद बिजली के पोल हटाने और अंत में नई सड़क निर्माण का काम किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में सतीगेट से खड़े हनुमान तक चौड़ीकरण किया जाएगा।

दो दिन में नपती, सात दिन का नोटिस-निगम अधिकारियों के अनुसार नोटिस तैयार करने का काम शुरू हो चुका है।

अगले दो दिनों में इंजीनियर मौके पर पहुंचकर नपती करेंगे और उसी समय संबंधित लोगों को 7 दिन की अवधि के नोटिस सौंप दिए जाएंगे।

नोटिस की समयसीमा पूरी होने के बाद किसी भी समय तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

इसलिए जरूरी है यहां चौड़ीकरण

- सतीगेट-कंठाल मार्ग शहर का प्रमुख बाजार क्षेत्र
- दिनभर भारी यातायात और बार-बार जाम
- दुकानों का अतिक्रमण सबसे बड़ी समस्या
- सीवर और पाइपलाइन पुराने होने से बार-बार खुदाई
- चौड़ी सड़क बनने से यातायात और व्यापार दोनों को राहत

विज्ञान लोकतांत्रिक प्रणाली में विश्वास करता है : प्रो. ब्रजेश

जागरण उज्जैन। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय माधव महाविद्यालय में ग्लोबल वूमन ब्रेकफास्ट-2026 दिवस के अवसर पर एक विशेष संगोष्ठी (सिंपोजियम) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विज्ञान के लोकतांत्रिक स्वरूप और महिला वैज्ञानिकों की भूमिका पर गहन चर्चा हुई।

मुख्य वक्ता शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष और प्रख्यात रसायन शास्त्री प्रो. ब्रजेश पारे ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि, विज्ञान लोकतांत्रिक प्रणाली में विश्वास करता है। प्रयोगशाला में सब लोग अलग-अलग काम करते हैं, लेकिन सबका उद्देश्य समान होता है। आपसी संवाद और समन्वय से कार्य किया जाता है। विज्ञान इसलिए प्रगति कर रहा है क्योंकि इसमें विभिन्न आवाजों को महत्व दिया जाता है और सब लोग मानवता के कल्याण के लिए मिलकर काम करते हैं।

प्राचार्या प्रो. कल्पना वीरेंद्र सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन में ग्लोबल वूमन ब्रेकफास्ट की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसकी शुरुआत एक कॉफी हाउस में 7 महिला वैज्ञानिकों द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और विज्ञान के संबंध में विश्व भर से जो आवाजें आ रही हैं, उन पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि समस्याओं का समाधान करने के लिए पुरुष और महिला वैज्ञानिकों को मिलकर कार्य करना चाहिए।

रसायन विज्ञान विषय की विदुषी डॉ. प्रेरणा मनाना ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विकास विनाश की कीमत पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वूमन ब्रेकफास्ट धारणीय विकास (नेजंपदंइसम क्मअमसवचउमदज) के लक्ष्य को सामने रखकर कार्य कर रहा है और रसायन विज्ञान ने कोविड के दौर में तथा फसल की उपज बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहायता की है।

सहायक प्राध्यापक डॉ. सरबजोत कौर ने कहा कि आज दुनिया भर के वैज्ञानिक इस बात के लिए जुड़े हैं कि विज्ञान का मानवता के लिए उपयोग कैसे करें। उन्होंने युवा महिला वैज्ञानिकों के प्रोत्साहन की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि एक अकेला दृष्टिकोण विश्व चुनौतियों का सामना नहीं कर सकता, इसलिए विविध आवाज़ों की बात हो रही है। उन्होंने प्रसिद्ध वैज्ञानिक मेरी क्यूरी के समर्पण का उदाहरण भी दिया।

स्टूडेंट्स के सपनों को हकीकत से जोड़ने वाला मंच बना माफिया इंक चैंपियनशिप

जागरण उज्जैन। माफिया इंक चैंपियनशिप और आंत्रप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन समिट-2026 ने इंदौर के स्टूडेंट्स को स्टार्टअप और लीडरशिप की दुनिया से जोड़ते हुए उन्हें रियल एक्सपीरियंस का मौका दिया। 5 कॉलेजों के 700+ स्टूडेंट्स ने मैनेजमेंट गेम्स के जरिए टीमवर्क, स्ट्रैटेजी और निर्णय क्षमता पर खुद को परखा।

समिट में स्टूडेंट्स को स्टार्टअप स्किल्स, प्रॉब्लम-सॉल्विंग और इंडस्ट्री एक्सपोज़र के साथ 1 लाख रुपए का नकद पुरस्कार और पेड इंटर्नशिप भी दी गई। इवेंट में इन्वेस्टर्स, आंत्रप्रेन्योर्स और एजुकेशनिस्ट्स ने मार्गदर्शन और अनुभव साझा किए, जिससे छात्रों को सही दिशा और अवसर समझने में मदद मिली।

माफिया इंक के संस्थापक मधुकर केशवमूर्ति ने कहा कि यह मंच छात्रों को क्लासरूम से बाहर निकालकर असली दुनिया की चुनौतियों से परिचित कराता है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और पीआर 24×7 के सहयोग से आयोजित यह समिट इंदौर के स्टूडेंट आंत्रप्रेन्योरशिप को मजबूत बनाने का कदम साबित हुआ।

न्यूज कार्नर

अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

अशोकनगर। कचनार थाना क्षेत्र के दो लोगों की मौत उपचार के दौरान हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीती 1 फरवरी को कचनार थाना क्षेत्र के ग्राम आमखेड़ा तूमैन निवासी गंगाराम कुशवाह जल गया थाए जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 25 वर्षीय गंगाराम कुशवाह की उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मृत्यु हो गई। इसी तरह ग्राम गोरा सोनेरा निवासी नीरज रघुवंशी पुत्र रामबाबू रघुवंशी ने जहरीला पदार्थ खा लिया था उपचार के दौरान उसकी जिला अस्पताल में मृत्यु हो गई। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

कच्ची शराब जब्त

अशोकनगर। ईसागढ़ पुलिस ने ग्राम नरसूखेड़ी में एक 59 वर्षीय व्यक्ति से 10 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब जप्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामचंद्र राव उर्फ पप्पू मराठा निवासी नरसूखेड़ी अपने घर के पास अवैध रूप से 10 लीटर हाथभट्टी की बनी कच्ची शराब लिए मिला था। जप्त शराब की कीमत करीब एक हजार रुपये है। पुलिस ने आरोपी पर आबकारी एक्ट की धारा 34 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

कलेक्टर ने बोर्ड परीक्षा केन्द्र का किया निरीक्षण

जागरण,अशोकनगर। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश की 12 वीं बोर्ड परीक्षाएं से प्रारंभ हो गई हैं। कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा मंगलवार को जिला मुख्यालय के परीक्षा केन्द्र शासकीय उच्चतर माध्यामिक विद्यालय क्रमांक 01 का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केन्द्र प्रभारी एवं शिक्षकों को जानकारी लेते हुए संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिये।

कड़राना गांव में बन रही थी महानगरों में सप्लाई होने वाली एमडी ड्रग्स

इंदौर नारकोटिक्स ने चंदेरी आकर किया ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ जब्त माल की कीमत करोड़ों में

जागरण अशोकनगर।

चंदेरी क्षेत्र के एक छोटे से गांव में हाईटेक एमडी ड्रग्स फैक्ट्री संचालित हो रही थी, जिसमें तैयार होने वाली ड्रग्स की सप्लाई बड़े-बड़े महानगरों में की जाती थी। क्योंकि इस ड्रग की कीमत इतनी होती है कि मामूली नशेड़ी इसे खरीद ही नहीं सकता। इस ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा तब हुआ तब इंदौर की नारकोटिक्स टीम ने कड़राना गांव में आधी रात के दौरान छापा मारा। इस खुलासे के बाद हड़कंप मचा हुआ है। जनमानस में चर्चा है कि यह ड्रग्स फैक्ट्री जिला पुलिस की नजरों से कैसे बची रही। जब्त किए गए माल की कीमत करीब 4 करोड़ आंकी गई है।

दरअसल, नशे के सौदागरों के खिलाफ इंदौर नारकोटिक्स टीम ने एक बड़ी कार्रवाई की है। चंदेरी में चल रही एक हाई-टेक एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और हथियार बरामद किए हैं। इस ड्रग्स फैक्ट्री से दो आरोपी 30 वर्षीय प्रियांशु जैन निवासी चंदेरी और 38 वर्षीय राघवेन्द्र सिंह पंवार निवासी कड़राना को हिरासत में लिया है।

बताया गया है कि पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी राघवेन्द्र सिंह के गांव कड़राना स्थित ठिकाने पर दबिश दी, जहाँ यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा था। नारकोटिक्स टीम ने मौके से भारी मात्रा में नशीला सामान और उपकरण जब्त किए हैं जिनमें 1 किलो 282 ग्राम तैयार एमडी ड्रग्स, 2 किलो 579 ग्राम अर्धनिर्मित मादक पदार्थ, 2.45 किलो केमिकल, एक लाइसेंसी पिस्टल, 15 जिंदा कारतूस और मैगजीन सहित एक होंडा कार एमपी 04 सीयू 5182, दो मोबाइल फोन और ड्रग्स बनाने के आधुनिक उपकरण शामिल हैं। पुलिस इस अवैध नेटवर्क की गहराई तक जाने के लिए आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि इस काले कारोबार के तार अंतरराज्यीय गिरोहों से भी जुड़े हो सकते हैं। फिलहाल, नेटवर्क से जुड़े अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

तीन साल पहले ईसागढ़ में पकड़ाई थी अफीम की खेती: 11 मार्च 2023 को जिले के ईसागढ़ में फॉरेस्ट की जमीन पर कब्जा कर अफीम की अवैध खेती का बड़ा मामला सामने आया था। पुलिस ने तोड़े जा रहे डोडे के 10.12 कट्टे सहित पूरे खेत में खड़ी अफीम को जब्त किया था। 8 जवान इस खेत की रखवाली तब तक करते रहे, जब तक कि पूरी अफीम काट नहीं ली गई। इस दौरान कुछ आरोपी भी पकड़े गए थे। जब्त की गई अफीम की कीमत करीब दो करोड़ रुपए आंकी गई थी।

मुंगावली से जुड़े थे भोपाल की एमडी ड्रग्स फैक्ट्री के तार:

16 अगस्त 2025 को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में एमडी ड्रग्स फैक्ट्री पर कार्रवाई हुई थी। जहां 92 करोड़ कीमत की 61.2 किलोग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की गई। यह ड्रग्स फैक्ट्री भोपाल से कुछ दूरी पर जगदीशपुर में संचालित हो रही थी। इस कार्रवाई में जो दो आरोपी पकड़े गए थे, उनमें से एक इंजीनियर फैजल कुरैशी जिले के मुंगावली का निवासी था। इस तरह से यह तीसरी बार है जब मादक पदार्थों के बड़े मामले में अशोकनगर जिले का नाम आया है।

बोर्ड परीक्षा के दौरान बिजली कटौती पर रोक लगाने सौंपा आवेदन

जागरण ईसागढ़।

अभ्युदय मानव सेवा समिति, ईसागढ़ द्वारा बोर्ड परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों को होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए विद्युत कटौती पर रोक लगाने की मांग को लेकर कलेक्टर को आवेदन सौंपा गया।

समिति ने मांग की कि परीक्षा अवधि में अनावश्यक बिजली कटौती न की जाए, ताकि छात्र-छात्राएं बिना किसी बाधा के पढ़ाई कर सके। अभ्युदय मानव सेवा समिति समय-समय पर नगर के महत्वपूर्ण एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्रिय भूमिका निभाती आ रही है। हाल ही में समिति द्वारा ईसागढ़ अस्पताल में शिशु विशेषज्ञ की नियुक्ति की मांग को लेकर सीएमएचओ अलका त्रिवेदी सहित अन्य अधिकारियों से मुलाकात कर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं समिति के प्रतिनिधि अमित शर्मा ने बताया कि हमारी समिति नगरहित के मुद्दों को लेकर लगातार कार्य कर रही है और आगे भी जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध रहेगी इस अवसर पर कलेक्टर ने अभ्युदय मानव सेवा समिति एवं प्रतिनिधि अमित शर्मा के इस प्रयास को सराहनीय बताते हुए प्रशंसा की तथा विद्युत विभाग को निर्देश देने की बात कही कि बोर्ड परीक्षाओं के दौरान बिजली कटौती न्यूनतम रखी जाए कलेक्टर के सकारात्मक रुख से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में संतोष का माहौल देखा गया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में केंद्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक

जागरण अशोकनगर।

कलेक्टर साकेत मालवीय की अध्यक्षता में मंगलवार को केंद्रीय विद्यालय अशोकनगर में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर मालवीय द्वारा एक्टिविटी सेशन मानसिक स्वास्थ्य तथा शारीरिक स्वास्थ्य हेतु मेडिटेशन तथा योग कक्षा आयोजित किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि विद्यालय में पेयजलए शौचालय तथा साफ्र.सफाई व्यवस्था पर्याप्त रहे यह सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने नवीन भवन निर्माण हेतु पत्राचार तथा कम्युनिकेशन कर कार्य शुरू किये जाने के निर्देश दिए। अंशकालीन शिक्षकों के पैनल बनाने हेतु साक्षात्कार की प्रक्रिया सही समय पर पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए टेंडर प्रक्रिया किये जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि प्रातःकालीन सभा में राष्ट्रगान के साथ-साथ राष्ट्रगीत भी शामिल किया जाए। प्रातः कालीन सभा में 5 मिनिट का योग सत्र तथा 5 मिनट्स का ध्यान भी शामिल किया जाए। बैठक में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य संयुक्त कलेक्टर आरबी सिण्डोस्कर, जिला शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर सिसोदिया, डीपीसी राहुल शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अल्का त्रिवेदी आदि उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में सुनी आवेदकों की समस्याएं

अशोकनगर। मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर साकेत मालवीय ने कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में आवेदकों की समस्याओं को समक्ष में सुनकर निराकरण के निर्देश मौके पर उपस्थित जिला अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में 132 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। साथ ही गूगलमीट से समस्त एसडीएम, सीईओ जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी जुड़े रहे। जनसुनवाई में आये संबंधित तहसील एवं जनपदों के आवेदन निराकरण के निर्देश संबंधितों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये गए।

श्री चिंता हरण धाम में श्रद्धालुओं के लिए की निःशुल्क पेयजल व्यवस्था

जागरण अशोकनगर।

ग्राम रेंहटवास स्थित प्रसिद्ध श्री चिंता हरण धाम में इन दिनों श्रद्धालुओं का अपार जनसमूह उमड़ रहा है। भीड़ के कारण मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की समस्या आने लगी थी। श्रद्धालुओं की समस्या को देखते हुए ग्राम के भारत सिंह राजपूत एवं करणी सेना परिवार के संभाग उपाध्यक्ष कुंवर युवराज सिंह राजपूत द्वारा निरूशुल्क वॉटर टैंकर सेवा प्रारंभ की गई। इस सेवा के अंतर्गत मंदिर परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की नियमित व्यवस्था की जा रही हैए जिससे श्रद्धालुओं को काफी राहत मिली है। निरूशुल्क जल सेवा शुरू होने के बाद भक्तों ने संतोष व्यक्त किया और सेवा भाव की सराहना की। इस अवसर पर युवराज सिंह राजपूत ने कहा कि समाज में जब भी किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो उसका समाधान करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने बताया कि करणी सेना परिवार हमेशा समाजसेवा के कार्यों में आगे रहा है और भविष्य में भी जरूरत पड़ने पर इसी प्रकार के प्रयास किए जाते रहेंगे।

नरवर के सिंध नदी पुल पर युवक की संदिग्ध मौत

जागरण, शिवपुरी। नरवर थाना क्षेत्र के मगरौनी रोड स्थित सिंध नदी पुल पर सोमवार को एक युवक का शव मिला। मृतक की पहचान ग्वालियर जिले के ग्राम बारौल निवासी गुलशन जाटव (28) के रूप में हुई है। परिजनों ने युवक की हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार, गुलशन जाटव सोमवार रात करीब 9 बजे गांव के ही सरमन कुशवाह, रवि कुशवाह, राकेश कुशवाह और हरविंदर सिंह के साथ घर से निकला था। इसके बाद देर रात करीब 3-4 बजे परिजनों को सूचना मिली कि गुलशन की मौत नरवर-मगरौनी रोड स्थित सिंध नदी पुल पर हो गई है। सूचना मिलने पर परिजन पहले डबरा देहात थाना पहुंचे और फिर नरवर आए, जहां गुलशन का शव नरवर स्वास्थ्य केंद्र के पीएम हाउस में रखा मिला। मृतक के भाई रविंद्र जाटव ने थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि जिन चार लोगों के साथ गुलशन घर से निकला था, उन्हीं चारों ने उसकी हत्या की है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। इस संबंध में नरवर थाना प्रभारी विनय यादव ने बताया कि मामले की जांच वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जा रही है। सभी पहलुओं पर जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फिलहाल शव का पोस्टमार्टम कराकर साक्ष्य जुटाने में लगी है।

हनी ट्रैप गिरोह का भंडाफोड़, 5 आरोपी गिरफ्तार, 25 हजार जब्त

युवती की संलिप्तता वाले अपराधों का बढ़ता शिवपुरी में ग्राफ, देहात पुलिस की बड़ी सफलता

जागरण, शिवपुरी। क्राइम पेट्रोल और सावधान इंडिया जैसे नाटकों में उजागर साइबर अपराध अभी तक महानगरों में ही फलीभूत हो रहे थे किंतु अब ऐसे साइबर संबंधित अपराध शिवपुरी जैसी छोटी जगह पर भी अपने पैर पसारने लगे है जो पुलिस महकमे सहित जागरूक जनप्रतिनिधियों को चिंता का विषय होना चाहिए। यदि समय रहते इस प्रकार के अपराधों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो तकनीकी रूप से ठगी के ये मामले पूरे समाज को डुबो सकते है। ऐसे ही एक मामले का शिवपुरी देहात थाना प्रभारी जितेंद्र मावई और उनकी टीम ने राजफाश किया है और इसमें संलिप्त एक युवती और लड़कों को अपनी गिरफ्त में लिया है।

जानकारी के अनुसार जिला पुलिस शिवपुरी के देहात थाना क्षेत्र में पुलिस ने हनी ट्रैप के एक संगठित गिरोह का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों द्वारा एक युवक को झांसे में लेकर उससे मारपीट कर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसे वसूले गए थे। थाना प्रभारी जितेंद्र मावई ने बताया कि फरियादी आदित्य जैन (26), निवासी बदरवास ने 1 फरवरी 2026 को थाना देहात शिवपुरी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी के मोबाइल पर 26 जनवरी को एक अज्ञात नंबर से कॉल

आया, जिसमें कॉल करने वाली युवती ने अपना नाम अंजली बताया और दोस्ती का प्रस्ताव रखा। बाद में मिलने के बहाने फरियादी को बुलाया गया, जहां आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 1 लाख 5640 रुपये की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई।

साइबर सेल की सहायता से मोबाइल नंबरों की तकनीकी जांच की गई, जिसके बाद आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में कल्पना रजक उर्फ अंजली (23), राजा ओझा (21), विकास रावत (19), चंद्रपाल धाकड़ (40), पवन रावत (25) सभी निवासी शिवपुरी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 25,000 रूपए नकद बरामद किए हैं। प्रकरण में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। बता दे कि कुछ समय पूर्व देहात थाना पुलिस बल द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए नशीले पदार्थ की बड़ी तस्करी को भी पकड़ा था। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक जितेंद्र मवाई, एस आई योगेंद्र सेंगर साइबर सेल एवं पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

एई का प्रभार बदलते ही पोहरी जनपद में नरेगा मस्टर फर्जीवाड़े पर लगा ब्रेक

जागरण, शिवपुरी। शिवपुरी जिले की पोहरी जनपद में सहायक यंत्री के प्रभार में बदलाव के साथ ही नरेगा मस्टरों में चल रहे कथित फर्जीवाड़े पर विराम लगने की बात सामने आ रही है। अभी हाल ही में पोहरी में कार्यरत सहायक यंत्री सतेन्द्र कुशवाह का प्रभार बदले जाने के बाद सहायक यंत्री अतुल तिवारी को जनपद का प्रभार सौंपा गया है। प्रभार बदलते ही नरेगा से जुड़े मामलों में सख्ती दिखाई देने लगी है।

सूत्रों के अनुसार, जनपद की कई ग्राम पंचायतों के नरेगा मस्टरों का भुगतान रोक दिया गया है। बताया जा रहा है कि संबंधित स्थलों पर कार्य न होने के बावजूद मजदूरों की उपस्थिति दर्ज कर भुगतान की प्रक्रिया चल रही थी। अब जांच के दौरान कार्य स्थल पर काम न पाए जाने पर भुगतान पर रोक लगाई गई है। जानकारी के मुताबिक, इससे पूर्व लंबे समय से बिना किसी हल्ला-गुल्ला के 2-2 लाख रुपये तक के मस्टरों का भुगतान नियमित रूप से किया जा रहा था और यह एक तरह की परंपरा बन चुकी थी। प्रभार परिवर्तन के बाद इस व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए हैं। स्थानीय स्तर पर यह भी मांग उठ रही है कि कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। शासन की नरेगा राशि में हो रही कथित बंदरबाट को रोकने के लिए सहायक यंत्रियों का प्रत्येक दो माह में स्थानांतरण किया जाए या फिर प्रत्येक जनपद के कम से कम 10-10 मस्टरों की नियमित जांच अलग-अलग एई से कराई जाए। आरोप है कि जिले के विभिन्न जनपदों में नरेगा के तहत करोड़ों रुपये के फर्जी मस्टर निकाले जा रहे हैं, जिनमें सरपंच, जीआरएस के साथ-साथ उपयंत्री, सहायक यंत्री और संबंधित अधिकारी आपसी सांठगांठ से लाभ उठा रहे हैं। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो शासन की महत्वपूर्ण योजना का उद्देश्य प्रभावित होता रहेगा।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अचल संपत्ति स्थित ग्राम फतेहपुर, फतेहपुर टोंगरा मार्ग से शिवपुरी पब्लिक स्कूल रोड से दूर, वार्ड नं 15 शिवपुरी तहसील व जिला शिवपुरी मप्र में है। उक्त भूमि प्लॉट की लंबाई पूर्व से पश्चिम को 50 फीट यानि 15.24 मीटर तथा चौड़ाई उत्तर से दक्षिण को 30 फीट यानि 9.14 मीटर है। जिसका कुल क्षेत्रफल 1500 वर्गफीट यानि 139.29 वर्गमीटर होता है। उक्त भूमि प्लॉट की चतुः सीमा यह है कि पूर्व में प्लॉट जैन साहब का, पश्चिम में रास्ता, उत्तर में प्लॉट पण्डित जी का, दक्षिण में मकान रावत का स्थित है। उक्त भूमि प्लॉट का सर्वे नं 180/121 है जिसे विक्रेतागण 1- यश बंसल पुत्र पुरुषोत्तमदास बंसल 2-छाया बंसल पुत्री पुरूषोत्तमदास बंसल 3-स्वाति बंसल पुत्री पुरूषोत्तमदास बंसल निवासीगण बिग सिनेमा के पास विजयपुरम कॉलोनी फतेहपुर रोड शिवपुरी म.प्र. 4-दिव्या बंसल (अग्रवाल) पुत्री पुरूषोत्तमदास बंसल पत्नि रविन्द्र अग्रवाल निवासी राजीव नगर अयोध्या बायपास हुजूर भोपाल म.प्र. की मां राजकुमारी बंसल पत्नि पुरुषोत्तमदास बंसल ने पुरुषोत्तमदास बंसल पुत्र भवानीशंकर बंसल निवासी विजयपुरम कॉलोनी शिवपुरी द्वारा वहँसियत मुख्त्यारआम श्रीमती कमलेश पत्नि जगदीश प्रसाद शर्मा निवासी श्रीलाल का बाडा शिवपुरी की ओर से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक 4267 से दिनांक 14.03.2012 को पंजीयन कराकर क्रय किया था। जिनकी मृत्यु उपरांत उक्त प्लॉट का फौती नामांतरण उक्त विक्रेतागणों के नाम से न्यायालय तहसीलदार महोदय शिवपुरी के प्रकरण क्रमांक 1349/अ-6/2023.24 आदेश दिनांक 04.09.2023 को विधिवत हो चुका है। तत्पश्चात सभी विक्रेतागणों ने उक्त संपत्ति क्रेता श्रीमती शायरा बानो पत्नि इस्लाम शाह निवासी ग्राम खोरघार तहसील व जिला शिवपुरी म.प्र. को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक MP392922024A1095214 दिनांक 24/01/2024 के माध्यम से विक्रय कर दिया है। उक्त संपत्ति से संबंधित पूर्व की चैन ऑफ टाइटिल की मूल रजिस्ट्री विक्रय पत्र क्रमांक 2067 दिनांक 31/01/1986 कहीं गुम हो गया है। जो काफी प्रयास करने पर भी नहीं मिला है। श्रीमती शायरा बानो पत्नि इस्लाम शाह उक्त संपत्ति की वर्तमान मालिक होकर उक्त संपत्ति को यूको बैंक शाखा शिवपुरी में बंधक करके लोन ले रही हैं। यदि किसी भी व्यक्ति का अथवा संस्था का किसी भी प्रकार से उक्त संपत्ति में हित निहित हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन दिनांक से सात दिवस के भीतर अपनी आपत्ति मय दस्तावेजी साक्ष्य के यूको बैंक शाखा शिवपुरी म.प्र. में प्रस्तुत कर देवे, अन्यथा किसी भी प्रकार की आपत्ति प्राप्त ना होने की दशा में उक्त संपत्ति को यूको बैंक शाखा शिवपुरी म.प्र. द्वारा नियमानुसार साम्य बंधक कर लिया जावेगा तथा उक्त संपत्ति पर उक्त बैंक का प्रथम प्रभार रहेगा तथा इस सूचना पत्र में दी गई म्याद उपरांत किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं की

यूको बैंक शाखा शिवपुरी म.प्र.
द्वारा अधिकृत अधिवक्ता राजीव शर्मा

लेडी सीएचओ ने दफ्तर में बीपी की 20 गोलियां खाईं

पति बोले- बीएमओ और अकाउंटेंट प्रताड़ित कर रहे

जागरण, शिवपुरी। जिले में लेडी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) ने सीनियर अफसरों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए खुदकुशी की कोशिश की है। उन्होंने दफ्तर में ही ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने की 20 गोलियां एक साथ खा लीं। उन्हें इलाज के लिए शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

मामला कोलारस में मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे का है। यहां आयुष्मान आरोग्य मंदिर, अटामानपुर में पदस्थ सीएचओ डॉ. शीतल सिसोदिया ने बीपी की गोलियां खा लीं। कुछ ही देर बाद वे तड़पने लगीं। साथी कर्मचारी उन्हें तत्काल खरई उप स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉ. प्रतीक श्रीवास्तव ने प्राथमिक उपचार किया। फिर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। डॉ. शीतल एक साल के बच्चे की मां हैं। उनके पति डॉ. विकास तोमर ने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डॉ. संजय राठौर और अकाउंटेंट संजय जैन पर प्रताड़ना

का आरोप लगाते हुए तेंदुआ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आरोप- नोटिस जारी कर वेतन काटने की धमकी दी

डॉ. शीतल के पति डॉ. विकास तोमर ने पुलिस को बताया कि कोलारस बीएमओ डॉ. संजय राठौर और अकाउंटेंट संजय जैन उनकी पत्नी को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। वे देर रात 11 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करते थे। डॉ. विकास के अनुसार, गांव में नेटवर्क समस्या के कारण अगर पत्नी मीटिंग में शामिल नहीं हो पाती थीं, तो उन्हें नोटिस जारी कर वेतन काटने की धमकी दी जाती थी। एक साल का बच्चा होने के बावजूद वे रोज समय पर ड्यूटी जाती थीं और ईमानदारी से काम करती थीं। इसके बाद भी बार-बार नोटिस और दंडात्मक कार्रवाई के चलते वे गहरे तनाव में थीं।

सफाई- नोटिस दिया लेकिन किसी का वेतन नहीं काटा

इन आरोपों पर बीएमओ डॉ. संजय राठौर ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि अधीनस्थ कर्मचारियों से काम लेने के लिए नियमित निरीक्षण और गूगल मीट के माध्यम से बैठकें की जाती हैं। शीतल सिसोदिया को काम में लापरवाही पर नोटिस जरूर दिए गए हैं, लेकिन किसी भी कर्मचारी का वेतन नहीं काटा गया है।

जनसुनवाई में आगजनी, गुमशुदगी एवं अवैध कब्जे की शिकायतें आईं

जागरण, शिवपुरी। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित कलेक्टर-एसपी की जनसुनवाई में पीड़ितों की लंबी कतार देखी गई। विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने आगजनी, मारपीट, गुमशुदगी और अवैध कब्जे जैसे गंभीर मामलों की शिकायतें दर्ज कराईं।

जनसुनवाई में पिछोर के वार्ड क्रमांक 11, राजघाट कॉलोनी निवासी नीलेश कुमार सेन ने अपनी परचूनी दुकान में आग लगने से हुए नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगाई गई आग से उनकी दुकान में लगभग 3.50 लाख रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। दिव्यांग होने के कारण यह दुकान ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन थी। नीलेश ने आपातकालीन या सामाजिक सुरक्षा निधि से आर्थिक सहायता की मांग की।

वन विभाग के कर्मचारियों पर मारपीट के आरोप

सतनवाड़ा थाना क्षेत्र की ममता आदिवासी ने रेंज कर्मचारियों पर उनके 12 वर्षीय बेटे और फसल रखवाले के साथ मारपीट का आरोप लगाया। शिकायत के अनुसार, कर्मचारियों ने बिना पूछताछ किए शक के आधार पर लाठी-घूंसे बरसाए, जिससे बच्चे के कान में गंभीर चोट आई। ममता ने दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बैराड़ क्षेत्र के मोहन सेन ने अपनी पत्नी शैफाली सेन की गुमशुदगी का मामला उठाया। उन्होंने प्रशासन से मोबाइल नंबर ट्रेस कर पत्नी की शीघ्र तलाश करने की गुहार लगाई, ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके।

मकान पर अवैध कब्जे की शिकायत

इसके अतिरिक्त, संजय कॉलोनी निवासी विधवा भगवती बाई ने अपने मकान पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी राशि चुकाने के बावजूद आरोपी ने कमरे खाली नहीं किए और वर्षों से उन्हें परेशान कर रहा है। भगवती बाई ने प्रशासन से मकान खाली कराने और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने सभी मामलों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित विभागों को त्वरित जांच करने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जागरण गुना

गुना, 11 फरवरी 2026 | चांचौड़ा - राघौगढ़ | www.dainikjagranmpcg.com

एमएसपी पर फसल बेचने 7 मार्च तक करा सकेंगे पंजीयन

गुना। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय करने वाले किसानों के लिए पंजीयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कलेक्टर श्री किशोर कन्याल के निर्देशानुसार, जिले के किसान 07 मार्च 2026 तक अपना पंजीयन करा सकेंगे। प्रशासन ने पंजीयन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। पंजीयन के लिए किसानों को अपनी भूमि के दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य होगा।

भिक्षावृत्ति मुक्त गुना को लेकर जागरुकता कार्यशाला आयोजित

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में जिले को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के द्वितीय चरण (24 जनवरी से 10 फरवरी) के समापन अवसर पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) श्री अब्दुल गफ्फार के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम शासकीय हाई स्कूल कुशमौदा में आयोजित हुआ।

संक्षिप्त न्यूज

जनसुनवाई में उमड़ा फरियादियों का हुजूम

गुना। आमजन की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना और मौके पर मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों को समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। आज आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों द्वारा कुल 240 आवेदन प्रस्तुत किए गए। आवेदनों में मुख्य रूप से जमीन का सीमांकन, बिजली बिलों में गड़बड़ी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन की पात्रता, नगरपालिका से संबंधित शिकायतें, स्वास्थ्य सेवाएं और नामांतरण जैसे मामले प्रमुखता से शामिल रहे। कलेक्टर ने एक-एक कर फरियादियों से चर्चा की और कई मामलों में फोन पर ही संबंधित तहसीलदारों और विभागीय प्रमुखों को वस्तुस्थिति स्पष्ट करने को कहा।

रसूखदारों को हूटर की छूट, आम जनता पर चालान की लूट

तत्या टोपे विश्वविद्यालय के कुलपति के वाहन पर छिड़ा संग्राम, एनएसयूआई ने फिर जताया विरोध

जागरण, गुना। शहर के क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय में कुलपति और छात्र संगठनों के बीच चल रहा विवाद अब केवल कैंपस की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह जिला प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर एक बड़ा सवालिया निशान बनकर सड़कों पर उतर आया है। मंगलवार को एनएसयूआई ने कुलपति डॉ. किशन यादव के शासकीय वाहन पर लगे हूटर को अवैध बताते हुए जिस तरह से मोर्चा खोला, उसने जिले की यातायात व्यवस्था में व्याप्त दोहरे मापदंडों की पोल खोलकर रख दी है। यह मामला चीख-चीख कर गवाही दे रहा है कि गुना की सड़कों पर नियम केवल गरीबों और आम नागरिकों के लिए हैं, जबकि प्रभावशाली पदों पर बैठे लोगों के लिए कानून की परिभाषा बदल जाती है।

एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष फलेशुराज सिसौदिया के नेतृत्व में

मंगलवार को छात्रों का एक बड़ा हुजूम पुलिस अधीक्षक कार्यालय, आरटीओ और यातायात थाना पहुँचा। छात्रों ने कुलगुरु डॉ. किशन यादव के शासकीय वाहन से तत्काल हूटर हटाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। छात्रों का सीधा तर्क है कि एक उच्च शिक्षण संस्थान के प्रमुख होने के नाते कुलपति को समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए, न कि नियमों की धज्जियाँ उड़ानी चाहिए। ज्ञापन में तीखे सवाल पूछे गए हैं कि क्या परिवहन विभाग ने डॉ. यादव को हूटर लगाने की कोई विशेष अनुमति दी है? और यदि नहीं, तो विभाग अब तक मौन क्यों है? इस पूरे मामले ने गुना पुलिस की उस कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा कर दिया है, जो रोजाना शहर के प्रमुख चौराहों पर देखने को मिलती है। एनएसयूआई ने बेहद तार्किक मुद्दा उठाते हुए कहा कि जब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आने वाला कोई साधारण नागरिक जयस्तंभ चौराहा या हनुमान चौराहा से गुजरता है, तो यातायात पुलिस की नजर गिद्ध की तरह उस पर टिकी होती है।

आम लोगों पर भारी पड़ती है मामूली गलती: अगर किसी गरीब का हेलमेट नहीं है, या उसकी नंबर प्लेट पर अक्षर थोड़े धुंधले हैं, तो पुलिस उसे अपराधी की तरह रोक लेती है और बिना देरी किए भारी-भरकम चालान काट दिया जाता है। लेकिन, वही पुलिस तब अपनी आँखें मूंद लेती है जब एक %प्रभावशाली% व्यक्ति अपनी गाड़ी पर अवैध हूटर बजाते हुए उन्हीं चौराहों से शान से निकलता है। क्या यातायात पुलिस के नियम केवल उन लोगों के लिए हैं जो विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं? क्या वर्दी का रौब सिर्फ उन मजदूरों और मध्यमवर्गीय लोगों पर चलेगा जो दो वक्त की रोटी के लिए सड़कों पर निकलते हैं?

परीक्षा के पहले ही दिन दो छात्रों का भविष्य अधर में

कहीं धोखाधड़ी तो कहीं 5 मिनट की देरी पड़ी भारी

जागरण, गुना। मंगलवार से शुरू हुई मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा के पहले ही दिन जिले में दो बेहद गंभीर और हताश करने वाले मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं के चलते तीन छात्रों को परीक्षा से वंचित होना पड़ा, जिसके बाद पीड़ित छात्रों ने पुलिस और प्रशासन का दरवाजा खटखटाया है।

पहला मामला ग्राम चुरेला बमोरी निवासी छात्र सुमित मीणा का है। सुमित ने एक निजी स्कूल के शिक्षक पर धोखाधड़ी का गंभीर आरोप लगाते हुए सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। छात्र का कहना है कि उसने 12वीं की परीक्षा का फॉर्म भरने के लिए शिक्षक को 15 हजार रुपये दिए थे। शिक्षक ने उसे भरोसा दिलाया था कि उसका फॉर्म भर गया है और उसे परीक्षा में प्रवेश मिल जाएगा। लेकिन सोमवार तक जब उसे प्रवेश पत्र नहीं मिला, तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। मंगलवार को वह परीक्षा देने से वंचित रह गया। न्याय की गुहार लेकर छात्र कोतवाली पहुंचा और दोषी शिक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। दूसरी घटना श्रीराम कॉलोनी स्थित निजी स्कूल के परीक्षा केंद्र से सामने आई है। यहाँ दो छात्र महज 3 से 5 मिनट की देरी के कारण परीक्षा में बैठने से वंचित रह गए। छात्रों ने ड्यूटी पर तैनात शिक्षिका पर आरोप लगाया कि उन्होंने काफी मिन्नतें कीं और करीब डेढ़ घंटे तक अंदर जाने की अनुमति मांगते रहे, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। छात्रों का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में कलेक्टर से भी संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। परीक्षा केंद्र के बाहर खड़े होकर छात्र हताश और परेशान नजर आए। उनका तर्क था कि इतनी मामूली देरी पर कड़ाई करना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है। छात्रों ने अब इस मामले की शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी से करने की बात कही है।

आईटीआई कुंभराज में ऑफिस को बनाया मयखाना

सहायक ग्रेड-3 निलंबित, प्रभारी प्राचार्य को भी नोटिस

जागरण, गुना। शासकीय कार्यालयों में अनुशासन और मयार्दा को ताक पर रखने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने सख्त रुख अपनाया है। शासकीय आईटीआई कुंभराज के कार्यालय में मद्यपान और अनुशासनहीनता करने वाले सहायक ग्रेड-3 को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

वहीं, पदीय कर्तव्यों में लापरवाही बरतने पर प्रभारी प्राचार्य को भी कारण बताओ नोटिस थमाया गया है। प्राप्त जांच प्रतिवेदन के अनुसार, शासकीय आईटीआई कुंभराज में तैनात सहायक ग्रेड-3 (कौशल विकास) शशिमोहन द्विवेदी के विरुद्ध गंभीर शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जांच में पाया गया कि द्विवेदी न केवल कार्यालय परिसर में मद्यपान (शराब पीना) करते थे, बल्कि वहां खाना भी बनवाते थे। इसके अलावा उनके विरुद्ध कार्यालयीन कर्मचारियों के साथ मारपीट करने, नियमित रूप से ड्यूटी पर उपस्थित न होने और शासकीय कार्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने के आरोप भी सही पाए गए हैं।

कलेक्टर कन्याल ने इस कृत्य को मध्य प्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के अंतर्गत गंभीर कदाचार की श्रेणी में मानते हुए श्री शशिमोहन द्विवेदी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय शासकीय आईटीआई चांचौड़ा नियत किया गया है।

प्रभारी प्राचार्य की कार्यप्रणाली पर भी सवाल: इसी प्रकरण में शासकीय आईटीआई कुंभराज के प्रभारी प्राचार्य श्री जहारिया सिंगोरिया की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। प्राचार्य पर पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में विफलता और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। इसमें विकास समिति की कैशबुक को अपूर्ण रखना और समय पर कर्मचारियों का वेतन आहरण न करना जैसे गंभीर मामले शामिल हैं। कलेक्टर ने इसे प्रशासनिक विफलता मानते हुए प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। संतोषजनक जवाब न मिलने पर उनके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जा सकती है।

सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार देख भड़के इंजीनियर विधायक

अधिकारियों की लगाई क्लास, बोले-मैं भी इंजीनियर हूं

जागरण, गुना। बमोरी विधानसभा क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट गुना-फतेहगढ़-पाड़ोन स्टेट हाईवे के निर्माण में बरती जा रही लापरवाही पर विधायक इंजीनियर ऋषि अग्रवाल का गुस्सा फूट पड़ा। लंबे समय से मिल रही भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण की शिकायतों के बीच, जब विधायक स्वयं फतेहगढ़ क्षेत्र से गुजर रहे थे, तब उन्होंने अपनी आंखों से सड़क निर्माण में निर्धारित मटेरियल की जगह काली मिट्टी डाली जाती देखी। यह देखते ही विधायक ने तत्काल अपना काफिला रुकवाया और मौके पर मौजूद ठेकेदार के इंजीनियर व कंसल्टेंसी इंजीनियर को बुलाकर उनकी जमकर क्लास लगा दी। विधायक ऋषि अग्रवाल ने अपनी तकनीकी विशेषज्ञता का हवाला देते हुए

अधिकारियों को आड़े हाथों लिया और कड़े लहजे में कहा कि वे स्वयं एक इंजीनियर हैं और उन्हें सड़क निर्माण की बारीकियों का पूरा ज्ञान है। उन्होंने अधिकारियों से सवाल किया कि क्या सड़क के प्रावधानों में काली मिट्टी डालने की अनुमति है? विधायक ने मौके पर ही रोड में आ रहे क्रैक्स और तकनीकी खामियों को उजागर करते हुए कहा कि वे अपने क्षेत्र में जनता के पैसे की बबार्दी और भ्रष्टाचार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। विधायक के तल्ख तेवरों और तकनीकी सवालों के सामने दोनों इंजीनियरों ने अपनी गलती स्वीकार की और भविष्य में ऐसी चूक न होने का आश्वासन दिया। विधायक ने स्पष्ट किया कि 62 किलोमीटर लंबी यह सड़क करीब 180 करोड़ रुपये का बड़ा प्रोजेक्ट है, जो गुना जिले को राजस्थान सीमा से जोड़ती है। यह बमोरी विधानसभा की सबसे लंबी और महत्वपूर्ण सड़क है, इसलिए इसकी गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कंसल्टेंसी की भूमिका पर भी सवाल उठाए कि यदि वे गुणवत्ता नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं, तो उनकी नियुक्ति का कोई अर्थ नहीं है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एमपीआरडीसी के अधिकारियों ने भी विधायक को गुणवत्ता सुधारने का भरोसा दिलाया है।